StudentBounty.com

संकलित परीक्षा - I, 2012

HB2-035

हिन्दी 'ब'

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड - क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए-** 1x5=5

व्यक्ति एवं समाज दोनों की प्रगति में साहित्य का विशेष हाथ होता है। जिस जाति का साहित्य जितना ही समृद्ध होगा, वह जाति उतनी ही शिष्ट एवं सुसंस्कृत होगी। इतना ही नहीं, साहित्य वह दर्पण है, जिसमें जाति का चरित्र और उसकी संपन्नता प्रतिबिंबित होती है। साहित्य में जीवन के विविध पक्षों को व्यावहारिक रूप में प्रभावित करने की क्षमता होती है। साहित्य से समाज का विकास होता है, परंतु साथ ही यह भी नितांत सत्य है कि समाज ही साहित्य का विकास करता है। अपने ही देश और अपनी ही जाति का साहित्य जीवन के विकास में सहायक होता है। ज्ञानवर्धन के लिए अन्यान्य देशों के साहित्य का अध्ययन करना उपयोगी हो सकता है, किंतु अपना साहित्य माता की तरह पालन-पोषण और विकास करने वाला होता है। अत: अपने साहित्य की सेवा माता के ही समान की जानी चाहिए ।

ज्ञानराशि के संचित कोष का नाम साहित्य है। कोई भाषा चाहे कितनी ही विकसित क्यों न हो, यदि उसका अपना साहित्य नहीं है, तो वह रूपवती भिखारिन के समान है। साहित्य का मानव-जीवन में अत्यंत महत्तवपूर्ण स्थान है। कारण यह है कि साहित्य में मानव-जीवन ही प्रतिबिंबित होता है। साहित्य मानव के ज्ञान का भंडार है। अपने मूल रूप से मानव जिन विचारों और भावों को परंपरा से संचित करता आया है, वे ही भाषा में लिपिबद्ध होकर साहित्य के रूप में संचित होते रहे हैं।

साहित्य रसास्वादन से मस्तिष्क का पोषण होता है। साहित्य रूपी भोजन यदि मस्तिष्क को न प्राप्त हो, तो धीरे-धीरे मस्तिष्क निष्क्रिय होकर निकम्मा हो जाता है। मस्तिष्क को यदि स्वस्थ एवं क्रियाशील रखना हो, तो निरंतर साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। विकृत साहित्य मस्तिष्क को दूषित बना देता है और दूषित साहित्य से समाज की बड़ी हानि होती है। जहाँ समाज सही साहित्य का जन्मदाता है, वहीं साहित्य भी समाज को प्रेरणा देकर समाज के नवीन रूप को जन्म देता है। जो समाज जितना ही समृद्ध एवं विकसित होगा, उसका साहित्य उतना ही समृद्ध एवं विकसित होगा।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(1) साहित्य को दर्पण क्यों कहा गया है?

(क) वह सदा स्वच्छ और सुंदर होता है

(ख) वह समाज की प्रगति में सहायक होता है

(ग) वह पाठक की रुचियों को सुधारता है

(घ) उसमें समाज का चरित्र और सम्पन्नता झलकती है।

(2) मस्तिष्क को की स्वस्थ और क्रियाशील रखने के लिए आवश्यक है

(क) योगासन और प्राणयाम

(ख) नित्यसमाचार का अध्ययन

(ग) अच्छे साहित्य का अध्ययन

(घ) पाठय पुस्तकों का अध्ययन

(3) ''रूपवती भिखारिन'' किसे माना गया है?

(क) सपन्न भाषा को (ख) साहित्य-विहीन भाषा को

(ग) अंग्रेज़ी भाषा को (घ) प्राचीन भाषा को

(4) कौनसा साहित्य जीवन के विकास में सहायक होता है?

(क) विदेशी साहित्य (ख) दूसरी जाति का साहित्य

(ग) हिन्दी साहित्य (घ) अपने देश व जाति का साहित्य

(5) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा :

(क) समाज और व्यक्ति (ख) साहित्य और मित्र

(ग) साहित्य और राष्ट्र (घ) साहित्य और समाज

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए** 1x5=5

पाँचों अंगुलियाँ समान नहीं होती; ऐसे ही सब बच्चे एक ही विचार के नहीं होते। उनमें भिन्न-भिन्न विशेषताएँ हुआ करती हैं। यद्यपि प्राकृतिक प्रवृत्तियाँ सभी में समान हैं, किंतु किसी-न-किसी में कोई प्रवृत्ति बढ़ी हुई होती है। उदाहरणार्थ-कोई बालक आगे चलकर डॉक्टर बनता है, कोई इंजोनियर, कोई अध्यापक, कोई कवि, कोई कलाकार, कोई नेता, कोई समाज सुधारक इत्यादि। समाज को इन सब प्रकार के मनुष्यों की आवश्यकता है और इन्हीं व्यक्तियों से समाज का निमांण होता है। अत: शिक्षा-प्राप्ति के समय प्रत्येक बालक के व्यक्तित्व से परिचित हो जाना उसके जीवनोत्थान के लिए सीढ़ी का काम करता है। इन सब बातों का विचार कर बालक को शिक्षा देने से ही उसके व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा और वह भावी जीवन-संग्राम का कुशल योद्धा बन पाएगा। प्रत्येक अध्यापक को भी बालकों की आवश्यकताओं को दृष्टि में रखकर चलना चाहिए। प्रारंभ से ही उनमें आशा के बीज बोने चाहिए और अनेक प्रकार की कठिनाइयाँ होने पर भी उन्हें हँसते हुए सहने की शिक्षा देनी चाहिए। इसस वे अपने भविष्य को सुखमय बना सकते हैं।

शिक्षा केवल पाठशाला में ही सीखने की कला नहीं है। यह जीवन के साथ वैसे ही संबद्ध है, जैसे-शरीर के साथ प्राण। शिक्षा जीवनोपयोगी वस्तु है। यह व्यक्ति तक ही सीमित नहीं है वरन् समाज में उसी रूप में निहित है। लिखना, पढ़ना और हिसाब लगा लेना ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य नहीं है। वस्तुत: शिक्षा का अर्थ है- शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास। वास्तविक शिक्षा प्राप्त करने के लिए पाठशाला बनानी होगी और माता-पिता को बच्चे के सुधार के लिए कुछ करना होगा । सर्वप्रथम, जीवन के प्रारंभिक दिनों में शिशु के शारीरिक विकास पर पर्याप्त ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उत्तम और स्वस्थ शरीर में ही पुष्ट मस्तिष्क की संभावना की जा सकेगी और शरीर और मस्तिष्क के स्वस्थ होने से शुद्ध विचारों का सृजन हो सकेगा। इन सुधारों के पश्चात् बच्चों की आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें भावी जीवन-पथ का सफल पथिक बनाने के लिए उत्तम

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

शिक्षा देनी चाहिए ।

(1) बालक आगे चलकर अलग-अगल व्यवसाय अपनाते हैं , क्योंकि -

(क) पाँचों अगुंलियाँ एक समान प्रत्येक काय में सहायक नहीं होती

(ख) सबकी प्राकृतिक प्रवृत्तियाँ समान नहीं होती

(ग) प्रत्येक बच्चे में भिन्न-भिन्न विशेषताएँ हुआ करती हैं

(घ) मनुष्य का स्वभाव भिन्न होता है

(2) शिक्षा का उद्देश्य है -

(क) लिखना, पढ़ना और उत्तम व्यवसाय पाना

(ख) बच्चों में सधार लाना

(ग) बच्चों को समाज का अनुशासित नागरिक बनाना

(घ) बच्चों का शारीरिक, मानसिक व नैतिक विकास करना

(3) शिक्षा-प्राप्ति का जीवन के साथ वैसा ही संबंध है जैसा-

(क) तन का मन से (ख) शरीर के साथ प्राण का

(ग) मनुष्य और समाज का (घ) दो मित्रों के बीच व्यवहार

(4) किस प्रकार की शिक्षा से अपने अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं—

(क) इंजीनियरी और डाक्टरी की

(ख) आशावादी बनकर कष्ट सहन करने की

(ग) सदा बड़ों का सम्मान करने की

(घ) सदा अनुशासित नागरिक बनने की

(5) जीवन की शुरूआत से ही बच्चों में बीज बोने चाहिए

(क) शिक्षा के (ख) अध्यापन के (ग) एकता के (घ) आशा के

3. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों वे सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए :** 1x5=5

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता हम बेटे
किसकी हिम्मत है तुमको दुष्टता -दृष्टि से देखे ?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली,
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली।
भाषा, देश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई
भारत, की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं,
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरुष ढोते हैं।
तुम हो शस्य-श्यामला, खेतों में तुम लहराती हो,
प्रकृतिमयी तुम, प्राणमयी, तुम किसे न तुम भाती हो।
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती ?
गंगा कहाँ बहा करती गीता क्यों गाई जाती ?

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(1) भारतीय संस्कृति को 'साझी संस्कृति' क्यों कहा गया ?

(क) अनेक देशों की संस्कृति से इसका निर्माण
(ख) विभिन्न भाषाओं के कारण
(ग) अनेकता में एकता के कारण
(घ) विविध धर्म-संप्रदाय, भाषा-भाषियों के कारण

(2) भारत माँ को अदम्य बलशाली क्यों कहा गया है-

(क) उत्तर में हिमालय के कारण (ख) सशक्त सैनिकों के कारण
(ग) देशभक्तों के कारण (घ) एक अरब से अधिक नागरिकों के कारण

(3) भारत और भारतीयों में कैसा संबंध है ?

(क) समाज और व्यक्ति का (ख) घनिष्ट मित्रों का
(ग) पति-पत्नो का (घ) माँ-बेटे का

(4) संकटों में भारतीयों का परस्पर व्यवहार कैसा होता है ?

(क) आपस में झगड़ते हैं (ख) मिलजुलकर कठिनाई का सामना करते ह
(ग) अपना-अपना कार्य करते हैं (घ) स्वार्थी हो जाते हैं

(5) भारत को 'शस्य श्यामला' कहा है क्योंकि -

(क) धरती पर खूब पानी है (ख) देश में बहुत जनसंख्या है
(ग) धरती पर खूब हरियाली है (घ) आसमान नीला है

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

आज चाँद ने खुश-खुश झाँका,
काल-कोठरी के जँगले से;
गोया मुझसे पूछा हँसकर,
कैसे बैठे हो पगले-से ?
कैसे ? बैठा हूँ, मैं ऐसे-
कि मैं बंद हूँ गगन-विहारी;
पागल-सा हूँ? तो फिर ? यह तो
कह हारी दुनिया बेचारी;
मियाँ चाँद, गर मैं पागल हूँ -
तो तू है पगलों का राजा;
मेरी-तेरी खूब छनेगी,
आ जँगले के भीतर आ जा;
लेकिन तू भी यार फँसा है-
इस चक्कर के गन्नाटे में,
इसीलिए तू मारा-मारा
फिरता है इस सन्नाटे में ।

(1) उपर्युक्त काव्यांश में किस-किस के बीच वार्तालाप हो रहा है ?

(क) चाँद और मित्र में (ख) दो मित्रों में
(ग) बंदी और चाँद में (घ) दो अनजान लोगों में

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(2) चाँद कवि को क्या कहकर संबोधित करता है ?
(क) मूर्ख (ख) निराश (ग) दीवाना (घ) पागल-सा

(3) कवि के अनुसार चाँद की क्या मजबूरी है ?
(क) आकाश में बने रहने की (ख) दुनिया को शीतलता देने की
(ग) बैचेन रहने की (घ) रात के सन्नाटे में मारा-मारा फिरने की

(4) कवि चाँद को क्या निमंत्रण देता है ?
(क) बातें करने का (ख) जँगल के भीतर आने का
(ग) जंगल में जाने का (घ) जंगल में घूमने का

(5) कवि कहाँ बैठा है ?
(क) घर के आँगन में (ख) जंगल में
(ग) अपने कमरे में (घ) कालकोठरी में

खण्ड-ख

5. (क) शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 1x4=4
(ख) 'माधव बीमारी के कारण नहीं गया' वाक्य में से संज्ञा पद छाँटिए ।
(ग) हमेशा हँसते रहने वाले तुम आज उदास क्यों हो। रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए ।
(घ) सिपाही को मानो कुछ होश आया । रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए ।

6. (क) मैं नवी कक्षा का छात्र हूँ। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। 1x4=4
(ख) कुछ लोग ही सभा में उपस्थित थे । रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(ग) राम शेर से डरता है। रेखांकित पद का परिचय लिखिए।
(घ) उसने परिश्रम किया, इसलिए उसे सफलता मिली। (रचना के आधार वाक्य का भेद बताइए ।)

7. (क) हरभजन सिंह के पहले ओवर की पहली गेंद पर जयसूर्या आउट हो गया । 1
(संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए) 1
(ख) रेस में प्रथम आने वाले लड़के को पुरस्कार मिला। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए - 1+1=2
एकैक, महीश, परोपकार, पुस्तकालय

8. (क) 'अति+आचार' की संधि कीजिए 1
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पद का विग्रह कर भेद का नाम लिखें 1+1=2
ऋषिकन्या, देहलता, कार्यकुशल
(ग) 'देश से निकाला' का समस्त पद बनाकर समास का भेद लिखें । 1

9. (क) निम्नलिखित मुहावरें/लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए की अर्थ स्पष्ट हो जाए - 1+1=2
(i) धज्जियाँ उड़ाना (ii) टुकड़े-टुकड़े होना
(iii) गाँठ बाँधना (iv) दिल मसोसकर रह जाना

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावर अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए--

(i) पुलिस ने अपराधी को ढूँढ़ने में ----------दिया ।

(ii) इतना सीधा होना भी अच्छी बात नहीं । तुम तो बिल्कुल ------- हो।

खण्ड - ग

10. **निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए-** 1x5=5

ऐसी बाँणी बोलिये, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
एसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहि।।

(1) मीठी वाणी बोलने से नहीं होता

(क) अपना तन शीतल (ख) औरों को सुख

(ग) मन की प्रसन्नता (घ) अपने अहंकार का प्रदर्शन

(2) मृग से तुलना क्यों की गई है ?

(क) ज्ञान के कारण

(ख) गति के कारण

(ग) भीतर छिपी वस्तु को न देखने के कारण

(घ) वस्तुएँ छिपाने के कारण

(3) परमात्मा विद्यमान है :

(क) पशु-पक्षियों में (ख) वन-वन में

(ग) घट-घट में (घ) घर-घर में

(4) 'कुंडलि' का अर्थ है ?

(क) कान का आभूषण (ख) घटना

(ग) नाभि (घ) कुंडली

(5) दुनिया क्या नहीं देख पाती है ?

(क) समाज को (ख) मंदिर में रहने वाले को

(ग) भक्त और भगवान को (घ) भीतर छिपे भगवान को

अथवा

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति -वेश ।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण- सा फैला है विशाल!

(1) 'मेखलाकार' शब्द का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?

(क) आभूषण के लिए (ख) गोल वृक्षों के लिए

(ग) हजारों आँखों के लिए (घ) पर्वत श्रृंखला के लिए

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

StudentBounty.com

INTERNATIONAL INDIAN ... LIBRARY (GIRLS) DAMMAM

(2) पर्वत के चरणों में फैले ताल की तुलना किससे की गई है?

(क) मोती से (ख) झरनों से (ग) दर्पण से (घ) दृग से

(3) दर्पण रूपी ताल में कौन अपना रूप देख रहा है?

(क) शाल के वृक्ष (ख) विशाल पर्वत

(ग) झरने (घ) फूलों आँखें

(4) पर्वत आँखे फाड़कर क्यों देख रहा है ?

(क) बादलो से अँधेरा हो गया है (ख) तालाब में प्रतिबिंब साफ नहीं।

(ग) उसे अपनी विशालता पर आश्चर्य होता है (घ) वह सबको डराना चाहता है।

(5) आँखों की तुलना की गई है ?

(क) पेड़ों से (ख) फूलों से (ग) दर्पण से (घ) झरने से

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए -** 3x2=6

(क) तालीम जैसे महत्वपूर्ण मामले में बड़े भाई साहब के क्या विचार थे ?

(ख) जुलूस और ध्वजा रोहण समारोह को रोकने के लिए पुलिस ने क्या प्रबंध किए थे ?

(ग) 'तीसरी कसम' फ़िल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान के अभिनय पर टिप्पणी कीजिए ।

12. लोग ऐसा क्यों मानते थे कि तताँरा की तलवार में अद्‌भुत शक्ति थी ? अंत में इस अद्‌भुत शक्ति को लेखक ने कहानी में किस प्रकार दर्शाया ? 5

अथवा

लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि आज जो बात थी, वह निराली थी। उस निरालेपन को स्पष्ट कीजिए

13. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए—:** 5

उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमं उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए । कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करे। और उनका यकीन गलत नहीं था। यही नहीं, वे बहुत अच्छे गीत भी जो उन्होंने लिखे बेहद लोकप्रिय हुए। शैलेंद्र ने झूठे आभजात्य को कभी नहीं अपनाया। उनके गीत भाव-प्रवण थे -दुरूह नहीं । 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' -यह गीत शैलेंद्र ही लिख सकते थे। शांत नदी का प्रवाह और समुद्र की गहराई लिए हुए। यही विशेषता उनकी ज़िंदगी की थी और यही उन्होंने अपनी फ़िल्म के द्वारा भी साबित किया था।

(1) शैलेन्द्र का फ़िल्मों के बारे में क्या मंतव्य था । 1

(2) शैलेन्द्र के अनुसार सच्चे कलाकार का क्या कर्तव्य है ? 2

(3) गीतकार के रुप में शैलेन्द्र की किस विशेषता का वर्णन किया गया है? 2

अथवा

वामीरों घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी । एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था। किंतु वहीं तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक वे साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था । अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ ।

(1) तताँरा और वामीरो का मिलन असंभव क्यों था ? 1

(2) वामीरो बेचैनी क्यों महसूस कर रही थी ? 2

(3) वामीरो की कल्पना के ततँारा और उसके वास्तविक व्यक्तित्व में क्या अंतर था ? 2

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए-** 3x3=9

(क) 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाँहि' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) मीराबाई अपने आराध्य देव को प्राप्त करने के लिए क्या-क्या उपाय करना चाहती हैं ?

(ग) 'तोप' कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(घ) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर वर्षाकालीन प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए ।

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए-** 3x2=6

(क) हरिहर काका की अपने परिवार के प्रति मोहभंग की शुरूआत कब हुई ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) महंत ने क्या कहकर हरिहर काका के मन में उनके परिवार के प्रति ज़हर भरा ?

(ग) ठाकुरबारी से लौटने के बाद हरिहर काका ने अपने घरवालों में क्या परिवर्तन पाया ?

16. 'अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु में डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को भी वरण करने के लिए तैयार हो जाते हैं' - लेखक के इस कथन को कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **4**

अथवा

' हरिहर काका' कहानी समाज के किन-किन पहलुओं की ओर ध्यान आकर्षित करती है ? स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड-घ

17. **दिए गए संकेत - बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-** 5

(क) हे मातृभूमि, तुझे सलाम!
- भारत देश विविधताओं का देश
- प्राकृतिक सौंदर्य
- मानवीय मूल्य

(ख) विपत्ति कसौसी जे कसे, ते ही साँचे मीत
- जीवन में मित्रता की आवश्यकता
- सच्चा मित्र कौन ?
- मित्र के चुनाव में सावधानी

(ग) मीडिया के बढ़ते कदम
- मीडिया का अर्थ
- मीडिया के अंग
- मीडिया का दुरुपयोग

StudentBounty.com
www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

18. अंतर्वर्गीय खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित करने के विषय में प्राधानाचार्य जी को पत्र लिखिए ।

अथवा

शहर में बढ़ती असुरक्षा के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए दैनिक समाचार-पत्र 'नवभारत टाइम्स' के संपादक को पत्र लिखिए ।

-oOo-

StudentBounty.com

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers